DHOOMIL

Five Poems

Translated from the Hindi by Rahul Soni

अन्तर

कोई पहाड़
संगीन की नोक से बड़ा नहीं है।
और कोई आँख
छोटी नहीं है समुद्र से
यह केवल हमारी प्रतीक्षाओं का अन्तर है –
जो कभी
हमें लोहे या कभी लहरों से जोड़ता है।

Difference

No mountain
is bigger than the tip of a sword.
And no eye
is smaller than the sea
It's only the difference in our longings
that joins us –
sometimes to iron, sometimes to waves.

दस्तक

हम न देखें
लेकिन अन्धकार वर्ष को चीर कर
प्रकाश की लचीली बाँह
हमें छूती है

हम दरवाज़ा न खोलें
लेकिन शहर में
किसी भी सड़क पर
घूमने वाली बीमार रफ़्तार
इस अस्पताल के सदर गेट पर
दस्तक देती है

हम न कहें
लेकिन चेहरों पर टँगे नक़्शे से
अपरिचित भी जानता है
रेखाएँ, चिन्ह
आकार, बिन्दु
न केवल असफल वर्णन है
न केवल उदासीन मानचित्र
हम न देखें – अपने को
हम न कहें – किसी से
लेकिन अपरिचित भी जानता है
उजले केशों वाली रोशनी ने
जब भी दस्तक दी है
दरवाज़े खुलते हैं
और मिलता है मस्तिष्क में
एक भरा पूरा नगर
जहाँ बूढ़ी रोशनी के साथ
हम भी हो लेते हैं।

A Knock

We may not see it
still the sinuous arms of light
tear through the countries of darkness
to touch us

We may not open the door
still the diseased velocity
that roams the city streets
finds its way
and knocks
at the hospital gates

We may not say it
still even a stranger knows
from the map of our faces that
lines and signs
shapes and points
are more than failed depictions
are more than indifferent maps
We may not see – ourselves
we may not tell – anyone
still even a stranger knows
that when the white haired light
comes knocking
doors open
And then the teeming city
of the mind is revealed
where we too will join
the elderly light.

दिनचर्या

सुबह जब अन्धकार कहीं नहीं
होगा। हम बुझी हुई बत्तियों को
इकठ्ठा करेंगे और
आपस में बाँट लेंगे

दुपहर जब कहीं बर्फ़ नहीं
होगी और न झड़ती हुई पत्तियाँ
आकाश नीला और स्वच्छ
होगा नगर
क्रेन के पट्टे में झूलता हुआ
हम मोड़ पर मिलेंगे और
एक दूसरे से ईर्ष्या करेंगे

रात जब युद्ध एक गीत-पंक्ति की तरह
प्रिय होगा हम वायलिन को
रोते हुए सुनेंगे
अपने टूटे सम्बन्धों पर सोचेंगे।
दुखी होंगे।

Daily Routine

In the morning when there'll be no darkness
anywhere. We'll gather
the burnt out lamps
and divide them amongst ourselves

In the afternoon when there'll be no snow
anywhere nor falling leaves
the sky will be blue and clean
the city
swinging from the arm of a crane
we'll meet at some corner
and envy each other

In the night when war will be as dear to us
as a line of song
we'll hear the violin cry
and think upon our broken relationships.
And be sad.

युवा सदी गाती है

लड़कों के चेहरों से टूट-टूट गिरती हैं
बुलबुलों की चीखें
लड़कियाँ चखनों में
गुलेल बाँधकर
चलती हैं,

सुनहरी किताब की जिल्द के ऊपर
पिता का डर
और अन्दर
प्यारे का ख़त है

सुना! तुमने सुना!!
युवा सदी गाती है
इसी तरह, अक्षर-अक्षर
लुकछिप कर जाना आदत है
प्रेम की।
युवा सदी गाती है।

The Young Century Sings

The shrieks of bulbuls break and fall
off the boys' faces
the girls carry
slingshots
in their lunch boxes,

the fear of father
on the cover of a golden notebook
and inside
a lover's letter

Listen! Do you hear!
The young century sings
letter by letter
playing hide and seek
this is the way of love.
The young century sings.

धूमिल की अंतिम कविता

शब्द किस तरह
कविता बनते हैं
इसे देखो
अक्षरों के बीच गिरे हुए
आदमी को पढ़ो
क्या तुमने सुना कि यह
लोहे की आवाज़ है या
मिट्टी में गिरे हुए ख़ून
का रंग।

लोहे का स्वाद
लोहार से मत पूछो
उस घोड़े से पूछो
जिसके मुँह में लगाम है।

Dhoomil's Last Poem

See
how words
become poems
Read the man
who has fallen among letters
Have you heard whether
it's the sound of iron
or the colour
of blood spilled in sand.

Don't ask a blacksmith
the taste of iron
ask a horse
that has the metal in its mouth.